an>

Title: Need to provide special financial assistance for supply of drinking water in Rajasthan.

श्री चाँद नाथ (अलवर): माननीय अध्यक्ष महोदया, आपने शून्य काल के दौरान मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद।

मानव सभ्यता जल के प्रबन्धन तथा अपशिष्ट पदार्थ और दूषित जल के निस्तारण से ही बनी एवं विकसित हुई। जीवन के लिए पानी इतना आवश्यक है कि सरस्वती नदी का प्रवाह अवरूद्ध हो जाने पर सरस्वती नदी के तटों पर बसी विकसित सभ्यता समाप्त हो गई। राजस्थान का भी यही हाल है। जल संसाधनों की कमी के मद्देनजर पेयजल की विकट स्थिति को देखते हुए केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्रालय से अनुरोध है कि राजस्थान को विशेष दर्जा दिया जाए, ताकि राज्य के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल समस्या का समाधान हो सके।

राजस्थान सरकार ने इसके लिए दस वर्षीय योजना बनाई है और इस योजना में डेढ़ लाख करोड़ रूपए की आवश्यकता है। चालीस हजार करोड़ रूपए भिन्न-भिन्न स्कीमों के अधीन राज्य सरकार उपलब्ध करा रही है। इस तरह एक लाख दस हजार करोड़ रूपए की विशेष सहायता आगामी दस वर्षों की अवधि में 11 हजार करोड़ रूपए प्रतिवर्ष के हिसाब से आवश्यक होगी। मेरा अनुरोध है कि वर्तमान में उपलब्ध कराई जा रही धनराशि के अतिरिक्त यह राशि उपलब्ध कराई जाए एवं ग्रामीण जल योजना के अधीन राजस्थान को विशेष दर्जा दिया जाए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री दुष्यंत सिंह और

श्री देवजी एम. पटेल को श्री चाँद नाथ द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।